६. उपान्त्य विशारद (छठा वर्ष – कथक)

कुल अंक :– ५०० क्रियात्मक :– ३०० लैखिक/लिखित शास्त्र : ७०

नियत कार्य : ३० अंक – समय १ साल (१०० से १२० कला का प्रशिक्षण)
एसाइनमेन्ट : लेखित परीक्षा समय २–०० घंटे – क्रियात्मक परीक्षा समय – ४० मीनीट

* **क्रियात्मक** :

अभ्यासक्रम के अनुसार (त्रिताल एवं धमार ताल का अभ्यास एवं अंको का वर्गीकरण)

१. शुद्ध नृत पक्ष – २००
२. अभिनय पक्ष – १००
३. अंग शुद्धि – २०
४. वेशभूषा – १०
५. प्रस्तुति प्रभाव – ३०
६. मौखिक शास्त्र (पढन्त सहित) – ४० (पढन्त–३०, मौखिक–१०)

नोंध : (१) गत वर्षो के अभ्यासक्रम में से भी पूछा जा सकता है ।
(२) तबले एवं लहरे की संगति आवश्यक ।
(३) सभी रचनाओं की पढन्त अनिवार्य ।
(४) अभिनय पक्ष के अंतर्गत की गई रचनाओं के राग, ताल की जानकारी आवश्यक ।

क्रियात्मक

* ताल त्रिताल

१. ठाट – तीन मुखडे
२. आमद – १
३. परनजुडी आमद – १
४. नटवरी चक्रदार तोडा – १
५. तिश्र / मिश्रजाति तोडा / परन – १
६. परमेलू – १
७. चक्रदार परन – २
८. फरमाईशी चक्रदार – १
९. कवित्त / कविता – २
१०. गिनती की तिहाई – २
११. लडी / पल्टे – कमसे कम ६ प्रकार तिहाई सहित
१२. पिछले वर्षो की गतनिकासी

* धमारताल :–

१. लयकारी – ठाह, दुगुन, चौगुन में गिनती, ठेके के बोल, तत्कार के बोल
२. ठाट – २ मुखडे
३. आमद – १
४. सादे तोडे – १
५. चक्रदार तोडे – १
६. चक्रदार परन – १
७. कवित्त / कविता तोडा – १
८. तिहाई – १

* अभिनय :-

(१) सरस्वती वंदना
(२) त्रिवट / चतुरंग
(३) वासकसज्जा, खंडिता, अभिसारिका तथा विप्रलब्धा नायिका में से किन्ही दो पर भाव प्रदर्शन ।
(गतभाव / पद / गीत / ठुमरी)
(४) होरी गीत

लिखित शास्त्र

१. कुचीपुडी, उडीसी नृत्य की जानकारी ।
(प्रान्त, उत्पत्ति, प्रस्तुतिकरण (सिर्फनाम), भाषा, वाद्य एवं संगीत, वेशभूषा)
२. आसाम, बंगाल, उडीसा के २-२ लोकनृत्यों की संक्षिप्त में जानकारी ।
३. भरत का रससूत्र तथा उसके घटको
(स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव, सात्विक भाव) की जानकारी
४. नाटयशास्त्र की विस्तृत जानकारी ।
५. भारतीय नृत्यो के पुनरुद्धार में श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर एवं श्री उदयशंकर का योगदान ।
६. नायिका भेद की संक्षिप्त जानकारी -
धर्म, आयु, प्रकृति, जाति तथा अवस्था के आधार पर तथा अष्टनायिका मे से वासकसज्जा, खंडिता, अभिसारिका तथा विप्रलब्धा नायिका की विस्तृत जानकारी ।
७. अभिनय शब्द की व्याख्या तथा उसके चारों प्रकारों (आंगिक, वाचिक, आहार्य एवं सात्विक) की व्याख्या
८. लिपिबद्ध करना : सिखी हुई सभी तालों में विविध रचनाओं को लिपिबद्ध करना आवश्यक ।

नोट : विगत वर्षो के अभ्यासक्रम में से पूछा जा सकता है ।

* नियत कार्य (Asignment) 30 गुण :

(१) अभिनय शब्द की व्याख्या तथा उसके ४ प्रकार. (आंगिक, वांचिक, आहार्य एवं सात्विक की व्याख्याक्र
(२) नाटयशास्त्र (विस्तृत जानकारी)
(३) नायिका भेद (धर्म, आयु, प्रकृति एवं अवस्था के आधार पर)
(४) त्रिपट और चतुरंग
(५) कुचिपुडी नृत्य

* नोंध :

उपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यो को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरुजीको उसे जाँच कर के ग्रेड देना है । वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे ।

परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे.
क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक निरीक्षक नियत कार्य के अंग तय करेंगे ।

ए ग्रेड :- २५ से ३० अंक
बी ग्रेड :- २० से २४ अंक
सी ग्रेड :- १५ से १९ अंक